प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र

संस्कृत

कक्षा-11

***समय** : तीन घण्टे]* ***[पूर्णांक** : 100*

***निर्देश** : प्रारम्भ के पन्द्रह मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।*

1. निम्नलिखित गद्यखण्ड पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×5=10

आसीत् पुरा शूद्रको नाम राजा। तस्य विदिशाभिधाना राजधान्यासीत्। स तस्याम्, असकृदालोचितनीतिशास्त्रैः निर्मलमनोभिः अमात्यैः परिवृतः, समानवयोविद्यालङ्कारैः राजपुत्रैः सह रममाणः, प्रथमे वयसि वर्तमानोऽपि वनितासुखपराङ्मुखः सुखमतिचिरमुवास। एकदा तम्, आस्थानमण्डपगतम् दक्षिणापथात् आगता काचित् चण्डाल-कन्यका पञ्जरस्थं शुकम् आदाय, समुपसृत्य "देव! विदितसकलशास्त्रार्थः, राजनीतिकुशलः, पुराणेतिहासकथासु निपुणः, सकलभूतलरत्नभूतः, वैशम्पायनो नाम शुकोऽयम् आत्मीयः क्रियाताम्' इत्युक्त्वा, पञ्जरं पुरो निधाय, अपससार।

प्रश्न (i) उपरोक्त गद्यांश किस पुस्तक से उद्धृत है?

प्रश्न (ii) विदिशायाः अधिपतिः कः आसीत्?

प्रश्न (iii) "देव! विदितसकलशास्त्रार्थः, राजनीतिकुशलः, पुराणेतिहासकथासु निपुणः, सकलभूतलरत्नभूतः, वैशम्पायनो नाम शुकः' रेखांकित अंश का अनुवाद लिखिए।

प्रश्न (iv) 'राजपुत्रैः' में कौन-सी विभक्ति है?

प्रश्न (v) 'समुपसृत्य' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

अथवा

मध्ये च तस्य, प्रथमे वयसि वर्तमानम् आजानुलम्बेन भुजयुगलेन उपशोभितम्, अनेकवर्णैः श्वभिः अनुगम्यमानम्, मातङ्गकनामानं शबरसेनापतिमपश्यम्। सोऽयम् अटवीभ्रमणसमुद्भवं श्रमम् अपनिनीषुः आगत्य तस्यैव शाल्मलीतरोः अधः छायायाम् उपाविशत्। अथ तस्मात् सरसः सलिलम् अत्यच्छम् कमलिनीपत्रपुटेन आदाय, आपीय, धौतपङ्का निर्मलाः मृणालिकाश्च अदशत्। अपगतश्रमश्चोत्थाय, सकलेन तेन शबरसैन्येन अनुगम्यमानः शनैः शनैः अभिमतं दिगन्तरम् अयासीत्। एकमस्तु जरच्छबरः पिशितार्थी, तस्मिन्नेव तरुतले मुहूर्तमिव व्यलम्बत।

प्रश्न (i) उपरोक्त गद्यांश किस पुस्तक से उद्धृत है?

प्रश्न (ii) शबरसेनापतिः कः नाम आसीत्?

प्रश्न (iii) 'तस्यैव शाल्मलीतरोः अधः छायायाम् उपविशत्।' रेखांकित अंश का अनुवाद लिखिए।

प्रश्न (iv) 'भुजयुगलेन' में कौन-सी विभक्ति है?

प्रश्न (v) 'मुहूर्तमिव' का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पात्र का चरित्र-चित्रण हिन्दी में कीजिए (अधिकतम 100 शब्द)— 4

(i) चन्द्रापीड (ii) महाश्वेता (iii) पुण्डरीक

3. बाणभट्ट का संक्षिप्त जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख हिन्दी अथवा संस्कृत में कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

4. निम्नलिखित दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(अ) का दक्षिणपथादागता? 1

(i) महाश्वेता (ii) कादम्बरी

(iii) चाण्डालकन्या (iv) तरलिका

(आ) विदिशाभिधाना नगरी राजधान्यासीत्— 1

(i) शुकनासस्य (ii) शूद्रकस्य

(iii) चन्द्रापीडस्य (iv) कुमारपालितस्य

5. अधोलिखित श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक की हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 2+5=7

(अ) निवर्त्य राजा दयितां दयालु–

स्तां सौरभेयीं सुरभिर्यशोभिः।

पयोधरीभूतचतुःसमुद्रां

जुगोप गोरूपधरामिवोर्वीम्।।

(आ) स्थितः स्थितामुच्चलितः प्रयातां

निषेदुषीमासनबन्धधीरः।

जलाभिलाषी जलमाददानां

छायेव तां भूपतिरन्वगच्छत् ।।

6. अधोलिखित श्लोकों में से किसी **एक** श्लोक की सन्दर्भ सहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए— 2+5=7

(अ) ब्रताय तेनानुचरेण धेनो-

न्यर्षेधि शेषोऽप्यनुयायिवर्गः।

न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा

स्ववीर्यगुप्ता हि मनोः प्रसूतिः ।।

(आ) सञ्चारपूतानि दिगन्तराणि

कृत्वा दिनान्ते निलयाय गन्तुम्।

प्रचक्रमे पल्लवरागताम्रा

प्रभा पतङ्गस्य मुनेश्च धेनुः ।।

7. महाकवि कालिदास का जीवन-परिचय हिन्दी अथवा संस्कृत में लिखिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

8. निम्नलिखित दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(अ) कः राजा नन्दिनी सिषेवे? 1

(i) अजः (ii) दिलीपः (iii) रघुः (iv) दशरथः

(आ) "प्रयुक्तमप्यश्रमितो वृथा स्यात्" इयं कस्योक्तिः? 1

(i) रघोः (ii) सिंहस्य (iii) दिलीपस्य (iv) दशरथस्य

9. अधोलिखित में से किसी **एक** अंश का हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 2+5=7

(अ) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना-

माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः।

तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां

लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु।।

(आ) यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया

कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडं दर्शनम्।

वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः

पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।।

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की हिन्दी में सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 2+5=7

(i) न तादृशा आकृतिविशेषा गुणविरोधिनो भवन्ति।

(ii) स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन् कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव।

(iii) अर्थो हि कन्या परकीय एव।

11. कालिदास की नाट्यकला की समीक्षा कीजिए। (अधिकतम 100 शब्द) 4

12. निम्नलिखित दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए—

(अ) शकुन्तलां शापं कः अददात्? 1

(i) कण्वः (ii) दुर्वासाः

(iii) गौतमी (iv) प्रियंवदा

(आ) अभिज्ञानशाकुन्तले मुख्य रसः कः? 1

(i) करुण रसः (ii) शान्त रसः

(iii) वीर रसः (iv) शृंगार रसः

13. एक दिन के अवकाश हेतु अपने प्रधानाचार्य को संस्कृत में एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। *अथवा* 6
प्रधानाचार्य को पुस्तकालय की समुचित व्यवस्था के लिए संस्कृत में एक पत्र लिखिए।

14. अनुप्रास **अथवा** यमक अलंकार की परिभाषा हिन्दी अथवा संस्कृत में लिखकर संस्कृत में उदाहरण दीजिए। 4

15. अधोलिखित में से किन्हीं चार का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 8

(i) साधु की कुटिया नदी के पास है। (ii) गाँव के दोनों ओर वृक्ष हैं।

(iii) राम ने रावण को मारा। (iv) मोहन पैर से लँगड़ा है।

(v) विद्या से नम्रता आती है। (vi) देवदत्त को लड्डू अच्छे लगते हैं।

16. *(अ)* निम्नलिखित रेखाङ्कित पदों में से किसी **एक** में नियमोल्लेखपूर्वक विभक्ति का निर्देश कीजिए— 2

(i) क्रोशं कुटिला नदी। (ii) मुनिः शिलाम् अधिशेते।

(iii) शिरसा खल्वाटः।

(आ) ''रामः लक्ष्मणेन सह गच्छति'' में रेखांकित पद में कौन-सी विभक्ति है? 2

(i) द्वितीया (ii) तृतीया

(iii) सप्तमी (iv) पंचमी

17. *(अ)* अधोलिखित पदों में से किसी एक पद में विग्रह कीजिए— 2

(i) शरणागतः (ii) युधिष्ठिरः (iii) कृष्णसर्पः

(आ) 'हरित्रातः' में प्रयुक्त समास का नाम है– 2

(i) अव्ययीभाव (ii) द्वन्द्व

(iii) तत्पुरुष (iv) बहुव्रीहि

18. *(अ)* 'रमेशः' का सन्धि विधायक सूत्र लिखिए। 2

(आ) 'नायकः' का सन्धि-विच्छेद होता है– 2

(i) न + अयकः (ii) ने + अकः

(iii) नै + अकः (iv) नौ + अकः

19. *(अ)* 'मत्यैः' में 'मति' प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है? 2

(आ) 'हरिभिः' पद में 'हरि' प्रातिपदिक के किस विभक्ति एवं वचन का रूप है? 2

(i) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (ii) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(iii) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (iv) पंचमी विभक्ति, बहुवचन

20. *(अ)* 'तिष्ठथ' क्रिया पद का पुरुष एवं वचन लिखिए। 2

(आ) 'गम्' धातु के लट्लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का रूप होगा– 2

(i) गच्छति (ii) गच्छतु

(iii) गमिष्यति (iv) गच्छेत्

21. *(अ)* 'पठ्' धातु में 'शतृ' प्रत्यय लगाने पर रूप होगा– 1

(i) पठितः (ii) पठन्

(iii) पठित्वा (iv) पठिता

(आ) 'पातुम्' पद में प्रयुक्त प्रकृति एवं प्रत्यय है– 1

(i) पिब् + तुमुन् (ii) पिब् + क्त्वा

(iii) पा + तुमुन् (iv) पा + क्त

●●